नामांक Roll No.

No. of Questions – **26**

No. of Printed Pages – **8**

SS-21 – Hindi Sah. (Supp.)

हिंदी साहित्य

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2020

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द–सीमा में ही सुपाठ्य लिखें ।

Downloaded from www.cclchapter.com

खण्ड – 'अ'

1. द्विवेदी युग की प्रमुख विशेषताओं, प्रमुख कवियों एवं उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए। **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

2. छायावादोत्तर गद्य की उपन्यास विधा परंपरा पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए। **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

3. 'आत्मकथा' एवं 'जीवनी' विधा को परिभाषित करते हुए उनका अंतर स्पष्ट कीजिए। **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

4. छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख धाराओं का परिचय देते हुए, प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए। **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'ब'

5. 'प्रसाद' गुण की परिभाषा लिखिए। **(1)**

(उत्तर–सीमा 10 शब्द)

6. 'श्रुति कटुत्व' दोष की परिभाषा लिखिए। **(1)**

(उत्तर–सीमा 10 शब्द)

7. 'छप्पय' छंद के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। **(3)**

(उत्तर–सीमा 50 शब्द)

Downloaded from www.cclchapter.com

8. ‘कवित्त’ एवं ‘सवैया’ छंद की परिभाषा देते हुए उनका अंतर स्पष्ट कीजिए । **(3)**

(उत्तर-सीमा 50 शब्द)

9. ‘मानवीकरण’ अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । **(4)**

(उत्तर-सीमा 60 शब्द)

10. ‘विभावना’ और ‘विशेषोक्ति’ अलंकार का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए । **(4)**

(उत्तर-सीमा 80 शब्द)

खण्ड – ‘स’

11. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम **80** शब्दों में कीजिए । **(3)**

प्राचीन भारतीय संस्कृति में धार्मिक कृत्यों में एकांत-साधना पर अधिक बल दिया गया है, यद्यपि सामूहिक प्रार्थना का अभाव नहीं है । हमारे कीर्तन आदि तथा महात्मा गाँधी द्वारा परिचालित प्रार्थना-सभाएँ धर्म में एकत्व की सामाजिक भावना को उत्पन्न करती आई हैं । हमारे यहाँ सामाजिकता की अपेक्षा पारिवारिकता को महत्त्व दिया गया है । पारिवारिकता को खोकर सामाजिकता को ग्रहण करना तो मूर्खता होगी; किन्तु पारिवारिकता के साथ-साथ सामाजिकता बढ़ाना श्रेयस्कर होगा ।

अथवा

वैशाख एक नए गायक के समान अपनी अग्निवीणा पर एक से एक लम्बा आलाप लेकर संसार को विस्मित कर देना चाहता था । मेरा छोटा घर गर्मी की दृष्टि से कुम्हार का देहाती आवाँ बन रहा था और हवा से खुलते, बंद होते खिड़की-दरवाजों के कोलाहल के कारण आधुनिक कारखाने की भ्रांति उत्पन्न करता था । मैं इस मुखर ज्वाला के उपयुक्त ही काम कर रही थी, अर्थात् उत्तर-पुस्तकों में अंधाधुंध भरे ज्ञान-अज्ञान की राशि को विवेक में तपा-तपाकर ज्ञान-कणों का मूल्य निश्चित कर रही थी ।

Downloaded from www.cclchapter.com

12. निम्नलिखित पद्यांश में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम **80** शब्दों में कीजिए : **(3)**

है अमानिशा, उगलता गगन घन अंधकार,

खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन–चार,

अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल,

भूधर ज्यों ध्यानमग्न, केवल जलती मशाल ।

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर फिर संशय,

रह–रह उठता जग जीवन में रावण जय भय,

अथवा

बरन–बरन तरु फूले उपवन बन,

सोई चतुरंग संग दल लहियत हैं ।

बंदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल हैं,

गुंजत मधुप गान गुन गहियत हैं ।।

आवै आस–पास पुहुपन की सुबास सोई,

सोंधे के सुगंध माँझ सने रहियत हैं ।।

सोभा कौं समाज, सेनापति सुख–साज, आज,

आवत बसंत रितुराज कहियत हैं ।।

Downloaded from www.cclchapter.com

13. 'मिठाईवाला' कहानी पुरुष के वात्सल्य भाव की मार्मिक अभिव्यक्ति है । कथन पर अपने मौलिक विचार लिखिए । **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

अथवा

पुराने की यह अधिकार–लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती ? 'शिरीष के फूल' पाठ में प्रकट उपर्युक्त प्रवृत्ति पर मौलिक विचार प्रकट कीजिए । (उत्तर–सीमा 80 शब्द)

14. पठित कविताओं के आधार पर पंत की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए । **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

अथवा

दिनकर द्वारा रचित 'कुरुक्षेत्र' (तृतीय सर्ग का संकलित अंश) कविता की शैलीगत विशेषताएँ लिखिए ।

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

15. 'गुल्ली–डंडा' कहानी के आधार पर विलायती–खेलों के ऐब लिखिए । **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

16. 'सेव और देव' कहानी में प्रोफेसर साहब लड़के पर क्यों क्रुद्ध होते हैं एवं उसके साथ कैसा व्यवहार करते हैं ? **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

17. "सुनहु नाथ सीता बिनु दीन्हें । हित न तुम्हारा संभु अज कीन्हें ।।" पंक्ति का मंतव्य स्पष्ट कीजिए । **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

Downloaded from www.cclchapter.com

18. 'भारत की श्रेष्ठता' कविता में वर्णित भावों को अपने शब्दों में लिखिए। **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

19. कवि कबीर अथवा लेखक जैनेन्द्र कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **(2)**

(उत्तर–सीमा 40 शब्द)

20. मुन्नी के पाजेब लाने पर आशुतोष की क्या प्रतिक्रिया रही ? **(2)**

(उत्तर–सीमा 40 शब्द)

21. कवि पद्माकर ने धर्म का मूल किसे बताया है ? **(2)**

(उत्तर–सीमा 40 शब्द)

खण्ड – 'द'

22. 'निर्वासित' कहानी में वर्णित वृद्धों की पीड़ा संदर्भ पर विचार व्यक्त करते हुए समाधान सुझाइये। **(4)**

(उत्तर–सीमा 80 शब्द)

अथवा

'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ में वर्णित राष्ट्र के प्रमुख अंगों पर विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय विकास में स्वयं की भूमिका का निर्धारण कीजिए। (उत्तर–सीमा 80 शब्द)

Downloaded from www.cclchapter.com

23. साहित्य में प्रचलित विभिन्न वादों के विषय में डॉ. रामकुमार वर्मा के क्या मत हैं ? **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

24. 'यात्रा : एक पावन तीर्थ की' पाठ में वर्णित रॉस द्वीप पर एक परिचयात्मक टिप्पणी लिखिए। **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

25. मांडले जेल में भोगे हुए दुखों के बारे में सुभाष ने क्या लिखा ? **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

26. सुभद्रा अपनी मृत्यु की चर्चा पर क्या विचार व्यक्त करती है ? **(3)**

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com